त्रैमासिक दिग्विजय कैम्पस

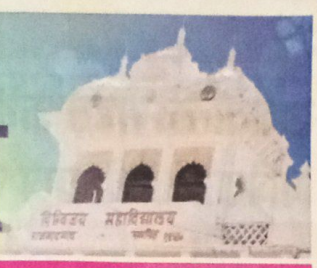

राजनांदगांव | दिसम्बर-फरवरी 2019-20 | वर्ष-3, अंक 10 | (आंतरिक वितरण हेतु)

अल्पसंख्यक छात्रों के लिए बनेगा छात्रावास-महेन्द्र छाबड़ा

छात्रावास निर्माण की योजना और आयोग द्वारा प्रदत्त छात्रवृति के लिए विद्यार्थियों से आवेदन की अपील

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय का वार्षिक पदक वितरण और स्नेह सम्मेलन महेन्द्र सिंह छाबड़ा (अध्यक्ष, छग अल्पसंख्यक आयोग) के मुख्य आतिथ्य और महापौर श्रीमती हेमा देशमुख की उपस्थिति में यह संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रुप में अल्पंख्यक आयोग सदस्य हफीज खान, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास, विवेक वासनिक सहित नवाज खान, पार्षद कुलबीर छाबड़ा और छात्र नेता निखिल द्विवेदी, पदम कोठारी, राकेश जोशी, श्रीकिशन खंडेलवाल, विप्लव शर्मा, विवेक बहादुर तथा जनभागीदारी समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा महंत राजा दिग्विजदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट द्वारा अतिथियों को गार्ड ऑफआनर दिया गया। प्राचार्य डॉ बीएन मेश्राम एवं महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों, रजिस्ट्रार और कार्यालयीन स्टॉफ ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि मान. महेन्द्र सिंह छाबड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि महाविद्यालयीन समस्याओं का समाधान खोजना हमारी सरकार का दायित्व है। महाविद्यालय की जो भी समस्याएं हैं, उनके निदान के लिए वे मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से चर्चा करेंगे। मुख्य अतिथि ने अल्पसंख्यक आयोग के छात्रों के लिए छात्रावास निर्माण की योजना बतायी और द्वारा प्रदत्त छात्रवृति योजना के लिए विद्यार्थियों से आवेदन करने की अपील की। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रईस अहमद शकील द्वारा महाविद्यालयीन समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया और सुझाव भी दिया कि महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति की सहायता से बुक बैंक की स्थापना की जाए, जिससे गरीब बच्चों को पढ़ाई में सुविधा मिले। समारोह अध्यक्ष मान. श्रीमती हेमा देशमुख ने इस कॉलेज को प्रदेश का नंबर वन कालेज बताते हुए उत्तरोत्तर विकास करते रहने की इच्छा जाहिर की और विद्यार्थियों से अपील की कि वे एक आदर्श नागरिक बनने का प्रयास करें। समारोह को छात्रसंघ अध्यक्ष कु प्राक्षी नायक सहित निखिल द्विवेदी, श्रीकिशन खण्डेलवाल, विवेक वासनिक और हफीज खान ने भी संबोधित किया।

राजा दिग्विजयदास स्मृति राज्यस्तरीय निबंध प्रतियोगिता

महंत राजा दिग्विजयदास की स्मृति में महाविद्यालय के हिंदी विभाग और लिटररी क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता के तहत 15 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदेश के तीन महाविद्यालयों के विजेताओं को प्रदान किया गया। इस साल प्रथम पुरस्कार साइंस कॉलेज दुर्ग के छात्र लोमश जायसवाल को, दूसरा पुरस्कार दुर्ग गर्ल्स कालेज की छात्रा कुमारी भूमिका तिवारी को और तीसरा पुरस्कार डोंगरगढ़ कॉलेज की छात्रा कुमारी अर्चना साहू को दिया गया। पुरस्कार के तहत तीनों विजेताओं को क्रमशः सात हजार, पांच हजार और तीन हजार रुपये के चेक सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर मंच से विदा किया गया और छात्रसंघ प्रभारी डॉ. एचएस भाटिया ने सहयोगी भावना से समारोह को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया। समारोह का संचालन डॉ. चंद्रकुमार ने किया।

इसके पूर्व स्वागत संबोधन में प्राचार्य डॉ बीएन मेश्राम ने महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय में नियमित व स्वध्यायी विद्यार्थियों की संख्या लगभग 13000 हजार है। महाविद्यालय को 4 विषयों में शोध केन्द्र का दर्जा प्राप्त है, जहां अध्यापन के साथ-साथ अनुसंधान कार्य चल रहे है। साथ ही 4 विषयों में अनुसंधान केन्द्र का प्रस्ताव विश्वविद्यालय को भेजा गया है। 4 विषयों में एड - आन कोर्स भी संचालित है। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में एनएसएस व एनसीसी की दो-दो ईकाईयां संचालित है, जिनमें शामिल कैडेट और स्वयंसेवकों का परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा है। महाविद्यालय के रोजगार सेल द्वारा 200 विद्यार्थियों का कैम्पस सलेक्शन हुआ है।

महाविद्यालय के 40 खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालयीन और राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को महाविद्यालय की समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि प्राध्यापकों के स्वीकृत पद जो रिक्त है उसके कारण अध्ययन, अध्यापन में समस्या आ रही है। इसी प्रकार उन्होंने छात्रावास निर्माण के लिए मुख्य अतिथि महोदय से सहायता की मांग की।

पदक वितरण एवं स्नेह सम्मेलन सम्पन्न

समारोह में प्रतिवर्ष की भांति महाविद्यालय के विभिन्न विभागों, विषयों एवं कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले लगभग 80 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, प्रशस्तिपत्र और प्रमाणपत्रों से नवाजा गया। ये पदक विभिन्न दानदाताओं द्वारा अपनों की स्मृति में दिया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ. अनिता शंकर और डॉ. नीलू श्रीवास्तव के निर्देशन में रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंत में स्टॉफ द्वारा सामूहिक गीत की प्रस्तुत की गई।

"भारत की संत परंपरा का दार्शनिक दृष्टिकोण" विषय पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी

दर्शन श्री और दार्शनिक प्रतिभा सम्मान भी प्रदान किया गया

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में र्शन एवं योग विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी ा उद्घाटन वाग्देवी पूजन तथा शिव राधना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि मचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की ुलपति डॉ अरुणा पल्टा थीं। अध्यक्षता र्शनिक अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष प्रो. सएस नेगी ने की। विशिष्ट अतिथि विद्वानों ी उपस्थिति में विषय प्रवर्तन प्रो. छाया य ने किया। प्राचार्य डॉ बीएन मेश्राम ने स्तावित उद्बोधन दिया। संगोष्ठी के योजक डॉ. हरनाम सिंह अलरेजा ने चालन करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्य पर काश डाला।

डॉ शंकर मुनि राय ने श्लोक पठन किया। दो दिवसीय संगोष्ठी भारतीय र्शनिक अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली तथा र्शन परिषद् मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के रिक्षण में आयोजित की गई है। मंच पर रिषद् के सचिव प्रो. जेपी साक्य तथा ोधे भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. श्रीमती बीएन मेश्राम ने कहा कि महान आत्माओं और संतों ने भारत को विश्व विभूति बनाया है। उन संतों ने जो ज्ञान दिया है उसका प्रसार करना सबकी जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्य का शत-प्रतिशत समाज को देना चाहिए। यही सबसे बड़ा जीवन दर्शन है। उन्होंने ने कहा कि भाषा के माध्यम से संतों के जीवन चरित्र एवं योगदान को पाठ्यक्रम का अनिवार्य अंग बनाने का प्रयास किया जाना और नैतिक शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए। आधार वक्तव्य डॉ. छाया राय ने दिया और कहा संतों ने सरल शब्दों को मानवता तक पहुँचाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षण संस्थाओं की चार-दिवारी के बाहर दर्शनशास्त्र के ज्ञान को पहुँचाना जरुरी है। दर्शन परिषद के अध्यक्ष डॉ. एसएस नेगी ने परिषद की गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी विषयों एवं अन्य क्षेत्रों के लोगों से परिषद से जुडने की अपील की।

उक्त अवसर पर दर्शन परिषद की पत्रिका, पारमिता के दसवें अंक का विमोचन किया गया। जबलपुर की डॉ. गायत्री सिन्हा पूर्व प्रो. दर्शन विभागाध्यक्ष रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर को परिषद् द्वारा दर्शन श्री सम्मान 2020 से विभूषित किया गया।

डॉ. सिन्हा ने कहा कि कबीर की तरह जीवन में कागज की लेखी पर नहीं आंखो देखी पर विश्वास किया जाना चाहिए। समारोह में विद्यार्थियों को दार्शनिक प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया, इनमें संतराम वर्मा, अगेश्वर वर्मा एवं कु. गरिमा साहू शामिल थे। निबंध प्रतियोगिता के लिए श्रीमती नाजनीन बेग, विनय तिवारी और वर्षा चौरसिया को पुरस्कृत किया गया। समारोह के अंत में अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने आभार ज्ञापन किया। उद्घाटन सत्र के बाद दो तकनीकी सत्रों ने दर्जन भर प्रतिभागियों ने शोध पत्र वाचन किया।

पत्रकारिता विभाग में प्रेरणा कार्यक्रम

आपार संभावनाओं से भरा है मीडिया क्षेत्रः डॉ जागृत

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में विद्यार्थियों की मार्गदर्शन के लिए प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम प्राचार्य डॉ आर एन सिंह के संरक्षण एवं विभागाध्यक्ष डॉ बीएन जागृत के निर्देशन में हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ बीएन जागृत ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मीडिया के क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कहां की एक पत्रकार का दायित्व है, समाज को आइना दिखाना पत्रकार का केवल एक ही धर्म है वह है मानवता। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं आप सब पत्रकारिता के लक्ष्य को ध्यान में रखकर और पीत पत्रकारिता न करते हुए आगे बढ़ेंगे तो एक बेहतर कल की स्थापना कर पाएंगे। विभाग के अतिथि व्याख्याता अमितेश सोनकर ने मीडिया की सामाजिक भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किया दीक्षा देशपांडे ने वर्तमान प्रतिस्पर्धा के युग में मीडिया के समक्ष की चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया रेशमी साहू ने मीडिया के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं एवं अवसरों की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर विद्यार्थी की ओर से तृतीय वर्ष की छात्रा महिमा सोनी, द्वितीय वर्ष की छात्रा रिचा शर्मा प्रथम वर्ष के छात्रा भारती वर्मा एवं चंद्रना श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए साथ ही नवागत विद्यार्थियों ने विषय के संबंध में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। आयोजन के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र से अनभिज्ञ विद्यार्थियों को विषय के बारे में गहराई से जानने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर सक्रिय सहभागिता दी।

सोशल मीडिया आज की जरूरत-महापौर देशमुख

दिग्विजय कैम्पस

"सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव" इस विषय पर शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा के मुख्य आतिथ्य में संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने की। इस सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. संजय दुधे एवं डॉ. गोपी निम्बाते थे। इस अवसर पर डॉ. पल्टा ने कहा कि हर सिक्के के दो पहलू होते है हमें स्वयं को यह निर्णय लेना होता है कि कौन सा पक्ष हमारे लिए अच्छा है। यही बात सोशल मीडिया पर भी लागू होती है। प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने कहा कि सोशल मिडिया ज्ञान का भंडार है इसमें से हम अपने लिए उपयोगी पक्ष को लेकर इस पर कार्य करे अथवा आप जानते ही है कि विज्ञान वरदान भी है अभिशाप भी है। आपके विवेक पर निर्भर करता है कि आप इसे वरदान के रुप में ले रहे है या अभिशाप के रुप में। प्रो. ललिता साहू ने विषय के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता वि.वि. नागपुर से डॉ. संजय दुधे ने कहा कि समय के साथ-साथ सोशल मीडिया के स्वरुप में भी परिवर्तन हो रहा है। समाज को इसने पूरी तरह प्रभावित किया है। हमें यह विचार करना होगा कि इसका इस्तेमाल किस सीमा तक करें। एनआईटी नागपुर से पधारे डॉ. गोपी निम्बाते ने सोशल मीडिया को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए, जो सोशल मीडिया के एजुकेशनस साइट है उनकी जानकारी प्रदान की। उन्होने कहा वर्तमान युग में सोशल मीडिया की महत्ता को नकारा नही जा सकता है। 7 फरवरी को प्रथम सत्र की अध्यक्ष डॉ. प्रीति मिश्रा, छग महाविद्यालय रायपुर एवं मुख्य वक्ता डॉ. एलएस गजपाल पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर थे। विषय विशेषज्ञ थे डॉ. नृपेन्द्र शर्मा, कुशाभाउ ठाकरे वि.वि. रायपुर। प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया।

समाजशास्त्र विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी

डॉ. प्रीति शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया का स्वरुप ऐसा है कि इससे जो जिस तरह का लाभ लेना चाहता है वह ले सकता है परंतु हमें ध्यान रखना है कि इसने परिवार के वातावरण को भी प्रभावित किया है। इसलिए अत्यंत सजगता से इसका उपयोग किया जाना चाहिए। डॉ. नृपेन्द्र शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया ने हर क्षेत्र के साथ ही पत्रकारिता के क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। पत्रकारिता के लिए यह एक चुनौती के रूप में आ गया है कि खबरों की सच्चाई कैसे पता लगाई जाए। मुख्य वक्ता डॉ. एलएस गजपाल ने भी सोशल मीडिया की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. अशोक कुमार चंद्रा बीआईटी महाविद्यालय दुर्ग तथा मुख्य वक्ता प्रो. हर्ष पांडे, शासकीय महाविद्यालय अंबिकापुर थे। सभी वक्ताओं ने सोशल मीडिया के सभी प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की एवं कहा कि यह विषय अत्यंत समसामयिक है। संगोष्ठी के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि हेमा देशमुख, महापौर नगर पालिक निगम, राजनांदगांव थी। उन्होने कहा कि सोशल मीडिया पर विचार विमर्श करना आज की आवश्यकता है। यह इस लिए आवश्यक है कि हम देख रहे है कि अबालवृद्ध इसका उपयोग कर रहा है। इसलिए यह हमारे कितना अनुकूल और कितना प्रतिकूल है इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने सोशल मीडिया के संदर्भों को उल्लेख किया। मुख्य अतिथि श्री विप्लव शर्मा जनभागीदारी समिति सदस्य, शरद पटेल पार्षद, गणेश पवार पार्षद, उपस्थित थे। दो दिवसीय शोध संगोष्ठी में कुल 32 शोध आलेख प्राप्त हुए तथा 21 शोध आलेख का वाचन किया गया। समस्त विद्वाजनों ने सोशल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष को रखते हुए सुझाव दिया कि यह हम पर निर्भर है कि हम इसका उपयोग किस तरह कर रहे है। इस अवसर पर सभी विषय विशेषज्ञों एवं मुख्य अतिथि हेमा देशमुख महापौर नगर पालिक निगम राजनांदगांव का प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम एवं संगोष्ठी संयोजक डॉ. अनिल कुमार मंडावी ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी संक्षेपिका का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. चन्द्रिका नाथवानी, डॉ. अन्जना ठाकुर, डॉ. शबनम खान, डॉ. अमिता बख्शी, डॉ. शंकर मुनि राय, डॉ. चन्द्रकुमार जैन, डॉ. एचएस भाटिया, डॉ. डीपी कुर्रे, डॉ. मीना प्रसाद, डॉ. बीएन जागृत एवं अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

महाविद्यालय में मना गणतंत्र दिवस

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी, प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में उपस्थित छात्र/छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी एवं कहा कि जब भी देश को हमारी आवश्यकता हो हमें उसकी सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। एनसीसी प्रभारी मेजर किरण लता दामले ने महाविद्यालय के ऐसे पूर्व विद्यार्थी जो राष्ट्र के लिए शहीद हो गए उनकी जीवनी के बारे में बताया। डॉ. चन्द्रकुमार जैन ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया एवं कार्यक्रम का संचालन किया।

प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम, प्राध्यापकों, एनसीसी प्रभारी, एनएसएस प्रभारी, एनसीसी कैडेटस, एनएसएस के विद्यार्थियों तथा संपूर्ण महाविद्यालय परिवार की ओर से शहीद हुए अमर जवानों को श्रद्धांजली अर्पित की गई।

एशिया की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराकर पत्रिकारिता के छात्र रोहित ने रच दिया इतिहास

चोटी पर पहुँचने वाला प्रथम...

दिग्विजय कैम्पस

एशिया की सबसे ऊंची ट्रेकिंग चोटी पर तिरंगा फहराकर प्रदेश के ग्राम सोमनी के रहने वाले रोहित ने कीर्तिमान रच दिया है। शहर से लगे ग्राम सोमनी के युवक रोहित कुमार झा इस उपलब्धि के साथ छत्तीसगढ़ के पहले पर्वतारोही बन गए हैं जिसने लेह-लद्दाख ट्रेकिंग चोटी पर जाकर तिरंगा फहराया है। रोहित का चयन इंडियन एडवेंचर फाउंडेशन की ओर से हुआ था। इंडियन एडवेंचर फाउंडेशन ने रोहित झा के अलावा छत्तीसगढ़ से एक अन्य प्रतिभागी बिलासपुर की निशु सिंह का चयन किया था। चोटी पर तिरंगा फहराने में रोहित ही कामयाब रहा। तबीयत खराब होने की वजह से बिलासपुर की निशु टास्क पूरा नहीं कर पाई।

बीजेएमसी का छात्र है रोहित

पर्वतारोहण का शौक रखने वाले रोहित दिग्विजय महाविद्यलय से बीजेएमसी की पढ़ाई कर रहे हैं। रोहित को इंडियन एडवेंचर फाउंडेशन की ओर से मौका मिला था और उसने एशिया की सबसे लंबी ट्रेकिंग घाटी से होते हुए सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराने का गौरव हासिल किया है।

शान से फहराया तिरंगा

इंडियन एडवेंचर ने देश भर से युवाओं का चयन किया था। रोहित ने बताया कि पर्वतारोहण की शुरूआत उन्होंने 25 अगस्त से की थी और 30 अगस्त की सुबह 7.30 बजे स्टोक कांगड़ी लेह लद्दाख ट्रेकिंग चोटी पर तिरंगा फहराया। रोहित के मुताबिक देशभर के 5 युवा इस कार्य में सफल रहे। रोहित के अलावा उत्तर प्रदेश के दो और राजस्थान के दो युवा चोटी पर तिरंगा फहराने में कामयाब हुए। रोहित ने बताया वैसे तो सब दिन वे लोग दिनभर ट्रेकिंग करते थे और रात में आराम। लेकिन आखिरी दिन जब 16 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंच गए थे और अब उन्हें बर्फपर चढ़ाई करनी थी तब रात 9.30 बजे सभी ने चढ़ना शुरू किया और सुबह 7.30 बजे सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच गए। रोहित के मुताबिक उन्होंने 21 हजार 185 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराया।

'पुरस्कार एवं सम्मान'

- स्टॉक कांगड़ी पर तिरंगा लहराने से नेतृत्व दिवस के अवसर पर सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह से किया गया सम्मानित।
- स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट में भी प्रतीक चिन्ह और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया।
- बिहार के छपरा जिला में फेस ऑफ्थ्यूचर इंडिया के तरफसे नेशनल प्रेरणा दूत से सम्मानित किया गया।
- फिट इंडिया स्वछता भारत टूरिज्म फील्ड के नेशनल सर्टिफिकेट से भी सम्मानित किया गया।
- इसके अलावा दिल्ली में होने वाले नेशनल पीरियड वार्ड के लिए चयन किया गया है।

आईसीआईसीआई बैंक का कैंपस इंटरव्यू संपन्न

दिग्विजय कैम्पस

तीन जनवरी को आईसीआईसीआई बैंक का कैंपस शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव (छग) में संपन्न हुआ। इस कैंपस में आईसीआईसीआई बैंक के एचआर मो. असफाग उपस्थित थे। इस कैंपस में भाग लेने के लिए महाविद्यालय के बीएससी, बीकाम, बीए एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के कुल 108 छात्र छात्राएं सम्मिलित हुये।

कैंपस में चयन हेतु साक्षात्कार लिया गया। इस साक्षात्कार में 20 छात्र-छात्राओं का चयन से किया गया। ज्ञातव्य हो कि आईसीआईसीआई बैंक का महाविद्यालय में यह लगातार पांचवा कैंपस था। इसके पूर्व महाविद्यालय से लगभग 12 छात्र छात्राओं का चयन आईसीआईसीआई की विभिन्न शाखाओं में हो चुका है। इस प्रकार के कैंपस होने से विद्यार्थियों में हर्ष व्याप्त है।

बीएससी महाविद्यालय के छात्र दानी राम वर्मा ने इस प्रकार के आयोजन हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम और रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की पूरी टीम के प्रति आभार और धन्यवाद प्रस्तुत किया और कहा कि स्नातक पूर्ण करने के पश्चात अच्छी कंपनियों में नौकरी प्राप्त होना अपने आप में एक सौभाग्य और खुशी की बात है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कैंपस में प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. संजय ठिसके, डा. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. केएन प्रसाद, डॉ. एचएस अलरेजा, हिरेन्द्र ठाकुर, विकास काडें एवं प्रकोष्ठ के रवि कुमार साहू ने उपस्थित हो कर कैंपस के कार्यक्रम को सफल बनाया।

सेक्टर स्तरीय पुरुष क्रिकेट स्पर्धा में दिग्विजय कॉलेज रही उप-विजेता

दिग्विजय कैम्पस

सिंह प्राचार्य शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को खेल भावनओं से खेलने के लिये बधाई दी एवं कहा कि किसी भी विधा में सफल होने के लिये एकाग्रता होना आवश्यक है। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एचएस भाटिया ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को शुभकामना दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के क्रीड़ाअधिकारी अरुण कुमार चौधरी ने बताया कि स्पर्द्धा राजनांदगांव एवं कवर्धा जिले की कुल 18 टीमों हिस्सा लिया था। जिसमें प्रथम सेमीफाईनल सीआईटी महाविद्यालय, राजनांदगांव एवं शासकीय महाविद्यालय पिपरिया, कवर्धा के मध्य खेला गया था। जिसमें सीआईटी महाविद्यालय विजेता रही। द्वितीय सेमीफाईनल शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव एवं शासकीय महाविद्यालय घुमका के मध्य खेला गया जिसमें शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय विजेता रही। स्पर्द्धा में बेस्ट बॉलर प्रतीक त्रिपाठी, बेस्ट बल्लेबाज प्रणय त्रिपाठी, बेस्ट फिल्डर स्वरूप, बेस्ट विकेट किपर आयुश, बेस्ट आलराउंडर गुरप्रीत सिंह तथा फाईनल मैच का मैन आफद मैच गुरप्रीत सिंह बग्गा रहे। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने सभी खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

महाविद्यालयीन जनभागीदारी समिति की बैठक संपन्न

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के नव गठित जनभागीदारी समिति की प्रथम बैठक जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री रईस अहमद शकील की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

प्रारंभ में डॉ. चन्द्रिका नाथवानी प्राध्यापक द्वारा सभी सम्माननीय सदस्यों को स्वागत उद्बोधन किया गया तथा जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रईस अहमद शकील एवं विशेष सलाहकार कुलबीर छाबड़ा का स्वागत प्राचार्य डॉ.बीएन मेश्राम द्वारा किया गया एवं प्राचार्य तथा सम्माननीय सदस्यों एवं प्राध्यापकों का स्वागत महाविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष कु. प्राक्षी नायक, उपाध्यक्ष कु. आर्ची कानूनगा तथा सचिव कु. चित्रलेखा सिन्हा द्वारा किया गया। [illegible] अनिता महिश्वर प्राध्यापक द्वारा किया गया।

बैठक में सर्वप्रथम श्री शकील ने सभी सदस्यों को नव वर्ष की शुभकामनांए दी एवं उम्मीद जताई की जनभागीदारी समिति के सभी सदस्यों का सहयोग महाविद्यालय को मिलता रहेगा एवं सभी मिलकर महाविद्यालय का विकास एवं छात्रों के हित में मिलकर कार्य करेंगे। जनभागीदारी समिति के सदस्यों के [illegible] पश्चात् महाविद्यालय के विकास एवं छात्रहित के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या एवं जनभागीदारी समिति की सचिव डॉ. बीएन मेश्राम ने विभिन्न विषय, समिति के समक्ष रखे। जिस पर समिति ने चर्चा की जनभागीदारी समिति की बैठक में समिति के विशेष सलाहकार श्री कुलबीर छाबड़ा ने महाविद्यालय के विकास में आवश्यक सहयोग देने की बात कही।

बैठक में सम्माननीय सदस्य मो. इब्राहिम (मुन्ना), मो. हसन, महेन्द्र सिंह ठाकुर, रितेश घरडे, जयनारायण सिंह, मनीष गौतम, शरद खण्डेलवाल, सुश्री शुभानी वर्मा, विकास गजभिये, शैलष रामटेके, अजय श्रांखला, हितेश गोन्नाड़े, अमित चन्द्रवंशी, आकाश सोनी, प्रतीक जैन, बीआर साहू, विप्लव शर्मा, ऋषि शास्त्री, राजा यादव, विष्णु अजमानी, शुभम कसार, मो. रफी, संदीप जायसवाल, हनीफ खान, सुश्री अंशुका बहेकर, महेन्द्र बहादुर सिंह, डॉ. चन्द्रिका नाथवानी, डॉ. अनिता महिश्वर, डॉ. शबनम खान, डॉ. एचएस भाटिया तथा महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा, जीडी वैष्णव, आशीष गौतम सुनील सिंह उपस्थित थे।

संपादकीय...

Everything is easy -
when you are crazy about it.
And nothing is easy -
when you are lazy about it.

उपर्युक्त पंक्तियां विद्यार्थियों पर पूर्णतः लागू होती हैं। असफलताए सफलता की एक सीढ़ी है। असफल व्यक्ति हारकर भी जीतने की कला समझता हैं।

ऐसा होने पर एक दिन वह निश्चय ही सफल होता है। दुनिया में ऐसे लोगों का स्वागत होता है। ऐसे लोग समाज में उत्पादकता के साथ भाई-चारा को भी बढ़ावा देते हैं। हमको हमेशा सकारात्मकता की ओर झुकना चाहिए। नकारात्मकता की ओर जाते ही सकारात्मक पहलू कमजोर दिखाई देने लगती है। अपने कार्य को लेकर जुनून हो तो कार्य आसान हो जाता है।

इस सत्र में महाविद्यालय के समाजशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई जिससे निश्चित ही विद्यार्थी लाभान्वित हुए। क्रीड़ा के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे छात्र-छात्राओं ने अपना परचम लहराया बीएजेएमसी सेकंड ईयर का छात्र रोहित कुमार ने एशिया की सबसे ऊंची ट्रैकिंग चोटी पर चढ़ने वाले प्रथम छत्तीसगढ़िया का गौरव हासिल किया। राज्य स्तरीय, महंत राजा दिग्विजयदास स्मृति पुरस्कार निबंध लेखन प्रतियोगिता में दुर्ग, विज्ञान महाविद्यालय के छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया विश्वविद्यालय स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय में हुआ।

नेक, टी तैयारी के लिए प्राचार्य डॉ आरएन सिंह के नेतृत्व में महाविद्यालय की पूरे टीम सिद्दत से लगी रही। 20, 21 जून 2019 को नैक टीम आई हम ए ग्रेड नहीं प्राप्त कर सके बी++ से संतोष करना पड़ा। प्राचार्य डॉ आर एन सिंह जी का स्थानान्तरण एवं प्राचार्य डॉ बीएन मेश्राम का महाविद्यालय में आगमन हुआ। महाविद्यालय परिवार उनका हार्दिक स्वागत करता है।

भास्कर ग्रुप एवं जिलेट कंपनी का कैम्पस सपंन्न

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय में दैनिक भास्कर ग्रुप एवं जिलेट कंपनी के सहयोग से एक दिवसीय कैंपस सपंन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय के लगभग 2000 छात्र छात्राएं सम्मिलित हुये। चयन की प्रक्रिया छः सेशन में संपन्न हुई। चयन परीक्षा के प्रारंभ में कंपनी के अधिकारियों के द्वारा मोटिवेशनल व्याख्यान दिया गया। इसमें कैंपस पूर्व तैयारी, सामूहिक चर्चा, व्यक्तित्व विकास एवं परीक्षा के तकनीकी पक्ष पर विशेष जोर दिया गया।

इस परीक्षा में महाविद्यालय की कु. पूजा साहू, कु. अन्जू वर्मा, चन्द्रशेखर, योगेश खरे, कु. उषा साहू, उत्कर्ष मिश्रा, तोमेश साहू, कु. सीमा सोनकर एवं टिकु ने सफलता हासिल की। प्रचार्या डा. बीएन मेश्राम ने अतिथियों का स्वागत करते हुये आभार व्यक्त किया, और रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रकोष्ठ विगत कई वर्षों से छात्र हित में इस प्रकार के आयोजन कर रहा है। प्राचार्या महोदया ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को ऐसे प्रेरणास्पद व्याख्यान सुनने और इसमे सम्मिलित होने एवं कड़ी मेहनत करने की सलाह दी ताकि भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना आसानी से कर सके।

कार्यक्रम में चयनित छात्र छात्राओं को अब राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर देश की विभिन्न कंपनियों के कैंपस में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। छात्र योगेश खरे एवं कु. पूजा साहू ने रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा संपन्न इस कार्यक्रम को उपयोगी बताया इस तरह के रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों से छात्र अपना भविष्य उज्जवल बना सकते है।

कार्यक्रम के अंत में सम्मिलित समस्त छात्र-छात्राओं को कंपनी के अधिकरियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. संजय ठिसके, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. हरनाम सिंह अलरेजा, प्रो. हिरेन्द्र ठाकुर, प्रो. विकास काण्डे एवं रवि कुमार साहू उपस्थित थे।

योग स्पर्धा में मिला 8 कांस्य पदक

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय राजनांदगांव के योग विभाग से 14 छात्राए व 6 छात्र ने पांचवीं स्टेट रैंकिंग योग स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में भाग लिया। जिसका आयोजन 2 फरवरी, रविवार को एसएनजी विद्या भवन, सेक्टर 04 भिलाई में किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने विभिन्न आयु वर्ग में 8 कांस्य पदक पर अपना कब्जा किया। स्पर्धा में शामिल छात्रा आयु वर्ग 25 से 35 वर्ष में हेमलता वर्मा, झरना देवांगन 18 से 25 वर्ष में अंजली यादव, भारती बंजारे, हास्मी ने वहीं छात्र आयु वर्ग 18 से 25 वर्ष में प्रकाश कोष्टा, शेखर वर्मा, नारायण साहू इसी प्रकार हिमानी, लाकेश्वरी, पूनम, कुसुमलता, दामिनी, पुष्पलता, अपूर्वा, राजेश्वरी, दीपिका एवं अमर, डुमेन्द्र, हेमचंद वर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉलेज की प्राचार्य बीएन मेश्राम, योगा विभागाध्यक्ष डॉ. एचएस अलरेजा, योग प्रशिक्षिका श्रीमति नीरा सिंह व अंतर्राष्ट्रीय योग खिलाड़ी डोमेन्द्र कुमार देवांगन ने इस उपलब्धि पर सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मतदाता जागरुकता अभियान- जिला स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

दिग्विजय कैम्पस

मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के तत्वावधान में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय भाषण, वाद-विवाद, रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 2000/- रुपये द्वितीय पुरस्कार 1000/- रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 500/- रुपये निर्धारित थी। प्रतियोगिता स्वीप प्लान के नोडल ऑफिसर डॉ. शैलेन्द्र सिंह थे। सभी विजेताओं को 25 जनवरी 2020 को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। डॉ. त्रिलोक देव, डॉ. मीना प्रसाद, डॉ. अनिता साहा, प्रो. ललिता साहू, प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा प्रो. हेमलता साहू के सहयोग से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

स्पर्धा का नाम:- वाद-विवाद

छात्र/छात्रा का नाम	महाविद्यालय का नाम	स्थान
ईश्वरी शर्मा	शास दिग्विजय महा. राज.	प्रथम
पूजा साहू	शास दिग्विजय महा. राज.	द्वितीय
मनसी निर्मलकर	शास कुंज बिहारी चौबे बहादुर नगर	तृतीय

स्पर्धा का नाम:- भाषण

छात्र/छात्रा का नाम	महाविद्यालय का नाम	स्थान
ईश्वरी शर्मा	शास दिग्विजय महा. राज.	प्रथम
मनसी निर्मलकर	शास. कुंज बिहारी चौबे बहादुर नगर	द्वितीय
महिमा यदू	शास. रानी अवंती लोधी महा. घुमका	तृतीय

स्पर्धा का नाम:- रंगोली

छात्र/छात्रा का नाम	महाविद्यालय का नाम	स्थान
कुसुम लेंजवार	शासकीय दिग्विजय महा. राजनांदगांव	प्रथम
सृष्टि जैन	डॉ. साहेब भीमराव अम्बे. स्ना. डोंगरगांव	द्वितीय
दुलेश्वर यदू	शास. रानी अवंती लोधी महा. घुमका	तृतीय

स्पर्धा का नाम:- पोस्टर

छात्र/छात्रा का नाम	महाविद्यालय का नाम	स्थान
अपर्णा भट्टाचार्य	शासकीय दिग्विजय महा. राजनांदगांव	प्रथम
महेश साहू	शास. कुंज बिहारी चौबे लाल बहादुर नगर	द्वितीय
टोमन लाल सिन्हा	डॉ. साहेब भीमराव अम्बे. स्ना. डोंगरगांव	तृतीय

विश्वविद्यालयीन: वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिग्विजय की छात्रा ईश्वरी शर्मा प्रथम

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी। संवैधानिक व्यवस्था और उसके मूल्य पर आधारित इस प्रतियोगिता में दुर्ग विश्व विद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों ने भाग लिया।' सदन की राय में संविधान के अनुपालन में ही लोकतंत्र की सफलता निहित है' विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में दिग्विजय महाविद्यालय की छात्रा कु. ईश्वरी शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर शा. शहीद कौशल यादव महा. गुण्डरदेही के छात्र पुनीत राम सोनकर रहें।

इसी प्रकार विषय के विपक्ष में प्रथम स्थान पर शासकीय विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग की छात्रा निधि नामदेव एवं द्वितीय स्थान पर शासकीय डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर महा. विद्यालय डोंगरगांव की छात्रा कु. रूपाली पांडे रहीं। प्राचार्य डा. बीएन मेश्राम द्वारा विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर पुरस्कृत किया गया। उक्त प्रतियोगिता तीन चरणों में हुई। प्रथम महाविद्यालय स्तर पर, दूसरी जिला स्तर पर एवं तीसरी विश्वविद्यालयीन स्तर पर आयोजित की गई। प्राचार्य के निर्देशानुसार महा. के राजनीति शास्त्र एवं इतिहास विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के संयोजक एवं निर्णायक डॉ. शंकर मुनि राय, डॉ. चंद्रकुमार जैन, डॉ. बीएन जागृत, डॉ दिव्या देशपांडे, डॉ. अनिता साहा, डॉ. शोभा श्रीवास्तव, श्रीमति अल्का पांडे योगेश अग्रवाल, डॉ नीलम तिवारी एवं डॉ स्वाती दुबे, थे। आयोजन समिति में डॉ. अंजना ठाकुर, डॉ. अमिता बक्शी, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, संजय सतर्षि एवं हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने अपना सहयोग दिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर परिचर्चा

दिग्विजय कैम्पस

डा. कस्तूरी रंगराजन की अध्यक्षता में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 प्रारूप पर दिग्विजय महाविद्यालय में परिचर्चा आयोजित की गई। महाविद्यालय की रूसा इकाई द्वारा आयोजित इस परिचर्चा में प्रभारी प्राचार्य डा. अनिता महिश्वर की अध्यक्षता में प्राध्यापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

रूसा प्रभारी एवं संयोजक डा. केएन प्रसाद ने पावर प्वाइंट प्रदर्शन के द्वारा नई शिक्षा नीति के प्रारूप पर संक्षेप में प्रकाश डाला। तत्पश्चात प्राध्यापकों के सुझाव आमंत्रित किये गये। हिन्दी के प्राध्यापक डा. शंकर मुनी राय ने कहा कि उच्च शिक्षा का संपूर्ण वित्तीय भार केन्द्र शासन को स्वयं वहन करना चाहिये न कि राज्य सरकारो पर इसका बोझ पडे। डा. कुरें प्राध्यापक अर्थशास्त्र है ने बताया कि दूरस्थ शिक्षण प्रणाली के कारण छात्रो की शिक्षण गुणवत्ता में गिरावट देखी जा रही है इसका प्रबंधन इन्हे की तरह व्यवस्थित होना चाहिये।

शिक्षक छात्र अनुपात शिक्षण की गुणवत्ता में बाधक है। कई महाविद्यालयों में एक ही शिक्षक पर सी से दो सी छात्रों की जिम्मेदारी होती है। यह विचार प्राणीशास्त्र के प्राध्यापक डा. संजय टिसके ने प्रस्तुत किये।

डा. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि शिक्षण गुणवत्ता के मानक तरीको को न केवल कडाई से लागू किया जाये बल्की समय-समय पर इसकी पारदर्शी मानीटरिंग भी होनी चाहिये। नियमित शिक्षको की नियुक्ति भी शिक्षण व्यवस्था की गिरती गुणवत्ता के लिये काफी हद तक जिम्मेदार है। अतः स्कूल एवं महाविद्यालय स्तर पर शिक्षको की संख्या पर्याप्त होनी चाहिये। परिचर्चा का समापन करते हुये डा. प्रसाद ने स्नातकोत्तर स्तर पर शोधपरक पाठ्यक्रम की अनिवार्यता को आवश्यक बताया और कहा कि इससे विद्यार्थियों में तथ्यों का संकलन, प्रोसेसिंग, सारणीकरण,वर्णन एवं विश्लेषण की क्षमता का विकास होगा और समाज को अच्छे नागरिक एवं उच्च शिक्षा में गुणवत्तापुर्ण शोधकर्ताओं की सही भागीदारी सुनिश्चित हो पायेगी।

गणित विभाग में शिक्षक पालक बैठक

दिग्विजय कैम्पस

हाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नीता महेश्वर के निर्देशन में एवं णित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वन खान के मार्गदर्शन में णित विभाग में शिक्षक भिभावक बैठक का आयोजन हण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रते हुए डॉ. केके देवांगन ने भिभावकों को महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा महाविद्यालय में होने वाले विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान ने गणित, विभाग के शैक्षणिक कलेंडर तथा सुविधाओं के बारे में अभिभावकों को अवगत कराते हुए कहा की वे विद्यार्थियों के लक्ष्य हासिल करने में उनका सहयोग प्रदान करें। प्राध्यापक श्रीमती कविता साकुरे ने कैरियर निर्माण से संबंधित महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं मैथस लैब से पालकों को अवगत कराया। बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने इनके पाल्यो के शैक्षणिक विकास हेतु विभाग के द्वारा किये जाने वाले प्रयासों की सराहना की। उक्त बैठक में प्रो. परमेश्वर वर्मा, एमएससी प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कॉलेज स्टाफ के लिए कप्यूटर प्रशिक्षण सपन्न

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग में 7 दिसम्बर से 14 दिसम्बर तक एक सप्ताह तक संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शबनम खान एवं डॉ. चन्द्रिका नाथवानी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने ऐसे कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताया एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शबनम खान तथा कंप्यूटर विभाग के सभी स्टाफ की सराहना की। डॉ. चन्द्रिका नाथवानी ने कहा कि एक सप्ताह तक चले इस कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला में हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन प्रतिवर्ष होता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में कंप्यूटर विभाग के प्राध्यपक मिथलेश देवांगन, केवल देवांगन, रामअवतार, आशीष मांडले, माहेश्वरी, अलीशा राव तथा नरेंद वर्मा का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यपक, सहायक प्राध्यपक, अतिथी प्राध्यपक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन आशीष मांडले ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. शबनम खान द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दौड़ के लिए महाविद्यालय के छात्र व छात्राए शामिल हुए

दिग्विजय कैम्पस

सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण जिला राजनांदगांव द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दौड़ में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के एनसीसी एवं एनएसएस के लगभग 100 विद्यार्थी की सहभागिता रही। यह दौड़ स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस पर आयोजित किया गया जिससे शहर के विभिन्न स्कूल व कालेज के साथ-साथ शहर के नागरिक भी शामिल हुए। यह स्वतंत्रता दौड़ सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम उ.मा. शाला से प्रारंभ होकर जय स्तंभ चौक, मानव मंदिर चौक, गुरुनानक चौक से जीई रोड़ होकर सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम उ.मा. शाला के मैदान में समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में जिलाधीश जेपी मौर्य, महापौर मधुसूदन यादव के साथ-साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी प्रो. संजय देवांगन, एनएसएस अधिकारी प्रो. संजय सतर्षि व प्रो. नूतन कुमार देवांगन के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने इस दौड़ में भाग लिया।

अर्थशास्त्र विभाग में परिषद का गठन

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय राजनांदगांव के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा सत्र 2019-20 के लिये अर्थशास्त्र परिषद का गठन किया गया। सत्र 2018-19 की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थियों का मनोनयन किया गया। परिषद के पदाधिकारी हैं - अध्यक्ष- कु. ललिता रजक, एमए III/IV सेमेस्टर, उपाध्यक्ष- कु. ऐश्वर्या यादव, एमए III/IV सेमेस्टर कु. काजल साहू, बीए III सचिव- कु. प्रियंका, एमए II/I सेमेस्टर सहसचिव- शेषलाल, एमए II/I सेमेस्टर कु. ईश्वरी शर्मा, बीए II से परिषद के गठन की कार्यवाही महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य के संरक्षण में की गई। अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. चन्द्रिका नाथवानी परिषद की प्रभारी हैं। अपने समस्त पदाधिकारियों को बधाई दी एवं विभिन्न गतिविधियों को सफल करने हेतु सक्रियता बनाये रखने हेतु मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक डॉ. डीपी कुर्रे, सहायक प्राध्यापक डॉ. सुमीता श्रीवास्तव, डॉ. महेश श्रीवास्तव एवं डॉ. मीना प्रसाद एवं विभाग के समस्त विद्यार्थियों ने छात्रों को शुभकामनाये दी।

गणित विभाग में स्वच्छता अभियान

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनीता महेश्वर के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन मे गांधीजी की 150 वीं वर्षगांठ के तारतम्य में गणित विभाग के प्राध्यापको एवं विद्यार्थियों ने आज विभाग तथा परिसर की सफाई की। साथ ही यह संकल्प लिया कि विभाग को सदैव साफ सुथरा और प्लास्टिक मुक्त रखेंगे।

इस कार्य को सफल बनाने के लिए एमएससी प्रथम एवं तृतीय के विद्यार्थियों ने प्रोफेसर डॉ. केके देवांगनबीमती कविता साकुरे, परमेश्वर वर्मा के नेतृत्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

मैनेजमेंट पर व्याख्यान संपन्न

दिग्विजय कैम्पस

सकीय दिग्विजय महा. में दोना कडपी एवं महाविद्यालय जगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के हयोग से मैनेजमेंट तकनीक पर क दिवसीय व्याख्यान सपंन्न आ। इस कार्यक्रम में वाणिज्य काय के लगभग 300 छात्र त्राएं सम्मिलित हुये। इस यक्रम में पूणे से आमंत्रित मैनेजमेंट गुरू कुमेन्द रहेजा को आमंत्रित किया गया था।

रहेजा ने इस कार्यक्रम में पूरे वर्ष भर शिक्षण कार्य को हम किस प्रकार आसान बना सकते है इस बात को बड़े सरल शब्दो में छात्र-छात्राओं को समझाया। इसके अलावा इन्होने परीक्षा पूर्व तैयारी, सामूहिक परिचर्चा, व्यक्तित्व विकास एवं परीक्षा के तकनीक पक्ष पर छात्र-छात्राओं से विशेष चर्चा की। प्राचार्य डॉ. बीएन नंदा मेंश्राम ने दोना ऐकेडमी के अधिकारीयों और मैनेजमेंट गुरू कुमेन्द रहेजा का स्वागत किया। प्राचार्य महोदया ने कहा कि छात्र-छात्राये ऐसे व्याख्यानो को ध्यान से सुने ताकि भविष्य में उच्च शिक्षा के अच्छे अवसर प्राप्त हो सके।

इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के संयोजक डा संजय टिसके, डा. शैलेन्द्र सिंह, डा. हरनाम सिंह अलरेजा, प्रो. हिरेन्द्र ठाकुर, प्रो. विकास काण्डे, रवि कुमार साहू एवं वाणिज्य की सहायक प्राध्यापक प्रो. सुमन बोथरा, स्वंय सिद्धा झा एवं कु. ज्योति ने अपना योगदान दिया।

आदिवासी छात्रावास में मनाया बाल दिवस

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा महेश नगर स्थित आदिवासी छात्रावास में नन्हे बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया गया। विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभागीय प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. अंजना ठाकुर ने छात्रावास के बच्चों को कठिन परिश्रम कर अपने सपनों को पुरा करने हेतु प्रेरित किया वहीं प्राध्यापक अमिता बक्शी ने बच्चों को जीवन बेहतर तरीके से जीने के गुर सिखाए। विभाग के प्राध्यापक संजय सतर्षि ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें बताई, विभाग की एमए की छात्रा शिवानी तिवारी, श्रेया ताम्रकार एवं लोकेश्वरी सिन्हा ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। विभाग द्वारा नन्हे-मुने बच्चों को स्वल्पाहार भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संजय सतर्षि ने किया।

अणुओं का मानवोचित व्यवहार ही रमन इफेक्ट है-डा. मोहबे

दिग्विजय कैम्पस

हाविद्यालय राजनांदगांव में विज्ञान संकाय के ा जिला स्तरीय विज्ञान एवं गणित दिवस ा आयोजन 5 फरवरी 2020 को किया गया। स कार्यक्रम का आयोजन भारत के प्रसिद्ध तिक विज्ञानी स्व. चन्द्रशेखर वेंकट रमन ौर गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की स्मृति किया जाता है। इसके अंतर्गत राजनांदगांव ले के शालेय एवं महाविद्यालय के विज्ञान षय के विद्यार्थियों ने भाषण, रंगोली, हेली एवं पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। न सभी प्रतियोगिताओं का मुख्य विषय न्द्रशेखर वेंकट, रमन और गणितज्ञ श्रीनिवास मानुजन की उपलब्धियाँ थी। डा. शंकर मुनि य, डा. सूर्यकान्त मिश्रा एवं डा. लोकेश ने ण दिव्या देशपांडे, सोनल मिश्रा एवं डा. ाति तिवारी ने रंगोली इसी क्रम में पोस्टर तियोगिता में डा. त्रिलोक देव , रितेश देवांगन, नुज राजा बेग और शाकेश यादव विज्ञान एवं ेली प्रतियोगिता में डा. सुरेश पटेल, डी.के. वर्मा एवं गोकुल निषाद निर्णायक थे। प्रत्येक प्रतियोगिता के लिये प्रथम पुरस्कार, प्रमाणपत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदाय कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। जिला स्तरीय अंतर शालेय स्तर पर रंगोली में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया कु. शबनम परवीन कुरैशी शा. उ.मा. वि. छुरिया, भाषण प्रतियोगिता में आर्यन शर्मा शा. बालक उ.मा. वि. छुईखदान, पोस्टर प्रतियोगिता में यानेन्द्र पटेल शा. उ.मा. वि. बिजेभाटा एवं विज्ञान एवं गणित पहेली प्रतियोगिता कु. कृतिका यादव शा. कन्या उ.मा. वि. अंबागढ़ चौकी प्रथम रहे। इसी क्रम में अन्तर महाविद्यालय स्तर पर विज्ञान एवं गणित पहेली प्रतियोगिता में कु. रूपाली पाण्डे शा. भीमराव अंबेडकर महा. डोंगरगांव, पोस्टर प्रतियोगिता में दिग्विजय महाविद्यालय की कु गंगा ठाकुर, भाषण प्रतियोगिता में प्रशांत शर्मा शा. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव एवं रंगोली प्रतियोगिता में सुमीत रावटे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि की आसंदी से डा. हेमलता महोबे ने कहा कि अणुओं का अपने कक्ष से इलेक्ट्रान का लेन देन रमन इफेक्ट प्रदर्शित करता हैं। जिससे उर्जा और प्रकाश होते है। ऐसे ही मानव व्यवहार भी लेन देन पर आधारित होता है विद्यार्थी जीवन में छात्र अपने शिक्षको से जो ज्ञान लेते है जीवन भर समाज को वही वापस करते है।

प्राचार्य डा. चन्द्रिका नाथवानी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रो में विज्ञान के प्रति अभिरूचि जागृत होती हैं। इस कार्यक्रम के प्रायोजक विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी विभाग भारत सरकार तथा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी संचार परिषद नई दिल्ली तथा आयोजक छग विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी परिषद रायपुर ,जिला प्रशासन राजनांदगांव, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा स्कूल शिक्षा विभाग राजनांदगांव थे। कार्यक्रम के आयोजन में डा. अश्वनी शर्मा, प्रो. कविता साकुरे प्रो. विकास कांडे डा.किरण जैन, डा. हेमलता विटीं, प्रियंका साहू, कु. पूजा गुप्ता, सृजल शर्मा, नादिरा इकबाल एवं रवि कुमार साहू का विशेष योगदान रहा।इस कार्यक्रम के समन्वयक डा. संजय टिसके एवं आदित्य खरे थे . कार्यक्रम का संचालन डा. सोनल मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. माजिद अली ने प्रस्तुत किया।

स्नातकोत्तर के विद्यार्थी बीज गणित के मालिक-प्रावी

दिग्विजय कैम्पस

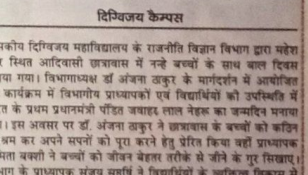

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनीता महेश्वर के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा आंतिम व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग के गणित विभाग से डॉ. प्राची सिंह उपस्थित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ. के.के देवांगन ने डॉ. प्राची सिंह से विद्यार्थियों का परिचय करवाया तथा उनके द्वारा करवाये जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। व्याख्यान की शुरुआत करते हुए डॉ।

प्राची सिंह ने गणित के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को बीज गणित का मालिक कहा एवं गणित विषय के प्रत्येक शाखा में गंभीर अध्ययन हेतु जोर दिया। गणित की अनुसन्धान शाखा फ्जी एनालिसिस को जीवन के भुंधलेपन से जोड़कर विद्यार्थियों को इस शाखा की पढ़ने हेतु प्रेरित किया। अंत में प्रो. कविता साकुरे ने आभार व्यक्त किया। इस व्याख्यान में प्रो. परमेश्वर वर्मा एवं एमएससी पूर्व एवं अंतिम गणित के समस्त विद्यार्थी उपस्थित थे।

दीक्षांत एवं पदक वितरण समारोह झलकिया...

दिग्विजय कैम्पस। महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव एवं पदक वितरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि महेन्द्र सिंह छावड़ा, महापौर हेमा देशमुख, प्राचार्य बीएन मेश्राम व सभी अतिथि दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी। वार्षिक उत्सव समारोह को देखने के लिए विद्यार्थियों के अलावा शहर के गणमान्य नागरिक भी पहुंचे।

दिग्विजय महाविद्यालय में उद्यमिता विकास कार्यक्रम संपन्न

कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को दिए व्यापार के टिप्स

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय में 14 नवम्बर से प्रारंभ होकर 16 दिसम्बर तक उद्यमिता विकास कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में सिटकॉन के डायरेक्टर प्रसन्न निमोणकर उपस्थित थे। जिन्होंने उर्जा के वैकल्पिक संसाधनों जैसे सोलर उर्जा, वायु उर्जा एवं जैवीय उर्जा की उपयोगिता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था कि छात्रों को लघु उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित करना। इस कार्यक्रम के दौरान लघु उद्योग एवं उससे संबंधित संसाधन, सरकारी योजनाएं तथा उनका प्रबंध पर सूक्ष्मता पूर्वक जानकारी दी गई। ज्ञातव्य हो कि इस उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के कार्यक्रम में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के विज्ञान विषय के कुल 31 छात्र छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी। इस कार्यक्रम में छात्रों ने प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात स्वयं का रोजगार कैसे स्थापित किया जाए इस पर विस्तार से प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में लगातार इस विषय पर उद्योग क्षेत्र एवं उद्योग विभाग से जुड़े हुए विषय विशेषज्ञों एवं अधिकारियों ने छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया। छात्रों ने विषय पर विस्तृत ज्ञान प्राप्त करने के लिए कुछ ऐसे लघु उद्योगों का भ्रमण किया जो उन्हें भविष्य में अपने स्वयं का उद्योग प्रारंभ करने में सहायक सिध्द होगा। उक्त कार्यक्रम में पावर प्वाइंट प्रदर्शन के द्वारा लघु उद्योगों की फिल्मे भी छात्रों के मार्गदर्शन के लिए प्रसारित की गई।

उक्त अवसर पर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सिटकॉन के द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये। समापन अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बीएन मेश्राम ने रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में संपन्न हुए इस उद्यमिता कार्यक्रम के सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को स्वरोजगार की प्रेरणा देते है और बेरोजगारी की समस्या को हल करने में सहायक सिद्ध होते है। उन्होंने इस कार्यक्रम में सम्मिलित छात्र-छात्राओं से कहा कि वें सिर्फ नौकरी की तलाश न करें बल्कि स्वयं का रोजगार स्थापित कर जरूरतमंदो को रोजगार भी प्रदान करें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सिटकॉन के डायरेक्टर प्रसन्न निमोणकर उपस्थित थे। जिन्होंने उर्जा के वैकल्पीक संसाधनों जैसे सोलर उर्जा, वायु उर्जा एवं जैवीय उर्जा की उपयोगिता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला और कहा कि स्वरोजगार के प्रति समर्पण की भावना बनी रहनी चाहिये तभी हम आगे उन्नति कर सकते है। इस अवसर पर समिति के रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. संजय ठिसके, एवं सदस्य डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. केएन प्रसाद, डॉ. एचएस अलेरेजा, प्रो. विकास काण्डे एवं प्रो. हिरेन्द्र ठाकुर उपस्थित थे।

दिग्विजय कॉलेज में मीडिया पर हुआ व्याख्यान

मीडिया का समाज पर असर व उपयोगिता के बारे में बताया

दिग्विजय कैम्पस

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम के निर्देशन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में मीडिया पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जन संपर्क विश्वविद्यालय रायपुर के इलेक्ट्रानिक मीडिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रकाश डालते हुए प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और पारंपारिक मीडिया से जुडे हुए पुरस्कारों की जानकारी दी। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि मल्टीमीडिया मोबाइल एक कन्वर्जेंस है। इससे वीडियो, वीडियो, टेक व अन्य सम्पूर्ण जानकारी मोबाइल के माध्यम से प्रत्यक्ष होती है, जो आज के समय में ज्यादातर व्यक्ति कर रहे हैं। वर्तमान समय में जानकारी कम समय में अत्यधिक तेजी से प्रसारित हो रहा है। उन्होंने पत्रकारिता के इतिहास में समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन की प्रारम्भ से लेकर वर्तमान की पत्रकारिता से अवगत कराया।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत ने भी मीडिया के महत्व पर प्रकाश डाला और पीत पत्रकारिता के अन्तर्गत सच्चाई की अनदेखी करके सनसनी फैलाने वाले व ध्यान खींचने वाले शीर्षकों का बहुतायत में प्रयोग को समाप्त करके एक अच्छे पत्रकार बनने की बात कही। पत्रकारिता के क्षेत्र में कई व्यक्तियों ने ऊंचे मुकाम हासिल किए हैं। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक अमितेष सोनकर, रेशमी साहू और पत्रकारिता विभाग के छात्र-छात्रायें मौजूद थे।

महंत राजा दिग्विजय दास की पुण्यतिथि पर कृतज्ञ स्मरण

दिग्विजय कैम्पस

उच्च शिक्षा के स्वप्नदृष्टा दानवीर महंत राजा दिग्विजय दास की पुण्यतिथि पर शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावांजली अर्पित की गई। प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने राजा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला और महाविद्यालय की स्थापना में उनके उदार योगदान को चिरस्मरणीय निरुपित किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी, विद्यार्थी सभी अभ्यागतों ने राजा साहब को पुण्यांजलि अर्पित की।

गणित विभाग में एलुमनी बैठक का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन में गणित विभाग में एलुमनी बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए डॉ. केके देवांगन ने अभिभावकों महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा महाविद्यालय में होने वाले विभिन्न गतिविधियों से एलुमनी को अवगत करवाया। विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान में गणित विभाग की वर्तमान में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में एलुमनी को अवगत कराया। बैठक में उपस्थित एलुमनी ने शैक्षणिक विकास हेतु विभाग के द्वारा किये जाने वाले प्रयासों की सराहना की तथा अपने सुझाव दिये। प्राध्यापक डॉ. हेमंत साव ने आभार व्यक्त किया। उक्त बैठक में प्रो. परमेश्वर वर्मा, एमएससी प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित थे।

मीडिया कार्यशाला में सम्मिलित हुए पत्रकरिता के विद्यार्थी

दिग्विजय कैम्पस

स्थानीय प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के वरदान भवन स्थित सेवा केन्द्र में एक दिवसीय मीडिया सेमिनार 'स्वर्णिम समाज के विकास में मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित की गई। प्रमुख वक्ता वरिष्ठ पत्रकार राजीखुशी पत्रिका के संपादक कमल दीक्षित ने वर्तमान परिवेश में समाचार पत्र, पत्रकारिता व इससे जुड़े घटनाक्रमों पर विस्तृत जानकारी देते हुए पत्रकारित के साथ अध्यात्म व राज योग की महत्ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा आज का युवा विशेषकर चिकित्सा के क्षेत्र में जुड़े युवाओं की मानसिकता मनवीय मूल्यों पर चर्चा क्यों नहीं करना चाहती। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षाविद साहित्यकार गणेश शंकर शर्मा ने पत्रकारिता के वर्तमान परिवेश एवं पत्रकारिता से जडे रहने का अनुभव साझा किया। वरिष्ठ पत्रकार दीपक बुद्धदेव ने आयोजन पर प्रकाश डालते हुए अखबार निकालने में आने वाली स्थिति परिस्थिति पर चर्चा की ब्रम्हाकुमारी संस्था के समाज के जोड़ने वाले कार्यों की चर्चा की। प्रो. डॉ. चन्द्र कुमार जैन ने अपने संक्षिप्त संबोधन में पत्रकारिता विषय पर अध्यापन करने की दिशा में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि किसी को जीतना है तो कलम की धार से जीतो उन्होंने आयोजन के विषय पर संक्षिप्त व सारगर्भित जानकारी दी। पत्रकारिता विभाग की छात्रा लिंकी ने भी महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रमों के साथ ब्रम्हाकुमारी संस्था द्वारा ऐसे आयोजनों को छात्र - छात्राओं के लिए ना मार्गदर्शक बताया। प्रारंभ में ब्रम्हाकुमारी संस्थान प्रमुख पुष्पा बहन ने आयोजन की जानकारी के साथ स्वागत भाषण में प्रो. कमल दीक्षित के सहयोग व मागदर्शन देने की प्रशंसा की। इसके पूर्व दीप प्रज्जवलन अतिथियों, पत्रकारों ने किया। प्रभु स्मृति के गीत, कुमारी झलक ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

आभार प्रदर्शन मुरलीधर सोमानी ने किया। उपस्थितजनों ने बाबा के ब्रम्हा भोज का आनंद लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दैनिक समाचार पत्रों के रिपोर्टर संपादक, इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़े पत्रकार, साहित्यकार, रचनाकार, कवि व बड़ी संख्या में ब्रम्हकुमार, भाई बहन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रभा ने किया।

प्राणीशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिग्विजय कैम्पस

महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राणीशास्त्र विभाग में संदीप साहू मत्स्य निरीक्षक सहायक संचालक मछलीपालन विभाग राजनांदगांव, द्वारा फिस स्टाकिंग, एक्सक्लुसिव इकानामिक जोन एवं अनकनवेन्सनल फिसिंग मेथड पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राओं के लिये व्याख्यान दिया गया। फिस स्टाकिंग के अंतर्गत उन्होंने मछली पालन के अंतर्गत फिंगर लिंब से लेकर बड़ी मछली होने तक खुले जल में किस तरह अलग-अलग टैंक बनाकर किस प्रकार की जाती है मछली पालन की विधि बताई। अपरंपरागत मछली पालन विधि के अंतर्गत उन्होंने इलेक्ट्रीक फिसिंग, लाईट फिसिंग, इकोसाऊंडर एण्ड सोनार की विस्तृत जानकारी दी।

''विशिष्ट आर्थिक जोन'' के अंतर्गत उन्होंने बताया कि सभी देशों में 200 नास्टिकल माइल्स तक किसी भी तालाब में फिस कैप्चर किया जाना है। उससे ज्यादा एरिया बढ़ाने पर जुर्माना किया जाता है। अंत में उन्होंने छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का समाधान भी किया। निश्चित ही उनका व्याख्यान विद्यार्थियों के लिये उपयोगी रहा। कार्यक्रम में विभाग के सभी प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष उषा ठाकुर ने संदीप साहू का आभार व्यक्त किया।

समाजकार्य विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

दिग्विजय कैम्पस

शा. दिग्विजय महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग के द्वारा प्राचार्य बीएन मेश्राम के निर्देशन एवं प्रो. विजय मानिकपुरी के मार्गदर्शन में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर गाँव के मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से एक दिवसीय मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन ग्राम कोटरासरार एवं जंगलपुर में किया गया। जिसमें सर्वप्रथम ग्राम कोटसरार के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला एवं महिला समूह व शिक्षकों के साथ जागरूकता रैली निकाली गयी। मतदाताओं को मतदान हेतु शपथ भी दिलायी गयी। तत्पश्चात ग्राम जंगलपुर में शासकीय हायर सेकेंड्री स्कूल में विद्यार्थियों के द्वारा मेरा वोट के थीम पर मानव श्रृखला का निर्माण किया गया इसके पश्चात ग्राम जंगलपुर में छात्रों व शिक्षकों के सहयोग से रैली निकाली गयी। जिसमें मतदाताओं को जागरूक करने हेतु उत्प्रेरक नारे 'न नशे से नोट से, देश बदलेगा वोट से'' सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो' जैसे प्रेरक नारे का उद्घोष किया गया। समाज कार्य के प्रो. विजय मानकपुरी ने बताया कि अभी पंचायतो के माध्यम से आगामी समय में मतदान का महापर्व आने वाला है। बैलेट पेपर के माध्यम से लोग अपना मत देने वाले है, मतदान सबसे बड़ा दान होता है देश की विकास के रास्ते सुदृढ़ करने में चुनाव एक माध्यम होता है जिसके लिये लोगों को अधिक से अधिक योगदान देकर राष्ट्र निर्माण की भावना प्रबल करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। प्रचार्या ने उक्त कार्यक्रम को समाज में एक अभी चेतना के प्रति लोगों को प्रेरित करने हेतु छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहां कि यह वास्तव में जन अभियान है जो जनता तक पहुंचना चाहिए। रैली को संचालित करने में सनद कुमार साकरे प्राचार्य, बली राम साहू प्रधान पाठक, सुनिता सिन्हा एवं अन्य शिक्षकों का विषेश सहयोग रहा, एवं विद्यार्थी शामिल थे।

स्वामित्व एवं प्रशासक: शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलापारा, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)। महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित। संरक्षक एवं प्रकाशक :- (प्राचार्य) डॉ. बीएन मेश्राम, प्रधान संपादक एवं निर्देशक:- डॉ. श्रीमती बी नन्दा जागृत, समाचार संपादक:- श्री अमितेश सोनकर, कु. रेशमी साहू, पेज डिजाईनर:- टेकेश्वर दास साहू, संकलन:-बीएजेएमसी छात्र-छात्राएं। मुद्रक: e-mail:-sonkaramitesh@gmail.com फोन नम्बर:-9424111402 सम्मान पब्लिकेशन्स (प्रा. लि.) बलदेव बाग राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)